प्रसार भारती
आकाशवाणी केन्द्र शिमला

19.08.2024 **1800 बजे**

रक्षाबंधन

भाई–बहन के पवित्र प्रेम व अटूट रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व आज देश सहित प्रदेशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधी और उनकी समृद्धि, स्वास्थ्य व कल्याण के लिए प्रार्थना की। वहीं भाईयों ने अपनी बहनों की रक्षा और उन्हें मदद का वचन दिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने लोगों को शुभकामनाएँ दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि यह त्योहार भाइयों और बहनों के बीच अनूठे बंधन का उत्सव है जो प्यार और आपसी विश्वास की भावनाओं को मजबूत करता है। प्रधानमंत्री ने कामना की कि, ये पावन पर्व आप सभी के रिश्तों में नई मिठास और जीवन में सुख–समृद्धि व सौभाग्य लेकर आए। विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने आज शिमला के राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा कि ये त्यौहार भाई–बहन के प्रेम का प्रतीक है और ये हमें उच्च परंपराओं व मूल्यों से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। राज्यपाल ने इस मौके पर मौजूद लोगों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कामना की है कि ये पावन पर्व आपके जीवन को आलोकित करे।

कोलकाता दुष्कर्म–पीएम

पदम पुरस्कारों से सम्मानित 70 से अधिक डॉक्टरों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कोलकाता दुष्कर्म और हत्या मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने की मांग की है। इन डॉक्टरों ने कहा है कि क्रूरता की ऐसी घटनाएं चिकित्सा क्षेत्र की सेवाओं को प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि

चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की सुरक्षा पर तत्काल ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। डॉक्टरों ने प्रधानमंत्री से इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का भी आग्रह किया।

हड़ताल

इस बीच प्रदेश में आज भी डॉक्टरों की हड़ताल जारी रही। ओ.पी.डी. में डॉक्टर न मिलने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि आपातकालीन सेवाएं चल रही हैं। राज्य चिकित्सा अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राणा ने बताया कि भारतीय चिकित्सा संघ के आह्वान पर देशभर में डॉक्टर हड़ताल पर हैं और कोलकाता प्रकरण को लेकर अपना विरोध जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा ज़रूरी है और राज्य स्तर पर स्टेट हैल्थ प्रोटैक्शन एक्ट लागू किया जाना चाहिए। इस बीच राज्य के चिकित्सा अधिकारी संघ की आज एक वर्चुअल बैठक हुई जिसमें कल 20 अगस्त को भी हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है। संघ के महासचिव डॉक्टर विकास ठाकुर ने बताया कि इस दौरान ओ.पी.डी. सेवाएं बंद रहेंगी और सिर्फ आपातकालीन सेवाएं ही प्रदान की जाएंगी।

मॉनसून सत्र

प्रदेश विधानसभा का मॉनसून सत्र 27 अगस्त से शिमला में शुरू हो रहा है जो 9 सितंबर तक चलेगा। सत्र के दौरान सुरक्षा प्रबंधों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया ने आज शिमला में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक कर चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा सचिवालय में ई–प्रवेश पत्र ऑनलाईन आवेदन पर ही दिया जाएगा और ये प्रवेश पत्र ई–विधान के तहत बनाए जाएंगे। पुलिस महानिदेशक अतुल वर्मा, उपायुक्त अनुपम कश्यप और पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी सहित अन्य अधिकारी बैठक में मौजूद रहे।

एरियर

प्रदेश में कर्मचारियों को लंबित एरियर और डीए का भुगतान न होने से कर्मचारियों में रोष है और विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ आवाज़ बुलंद कर दी है। सचिवालय सेवाएं कर्मचारी महासंघ ने 21 अगस्त से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है और वन विभाग कर्मचारी महासंघ ने भी इसका समर्थन किया है। वन विभाग कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष प्रकाश बादल ने आज शिमला में एक पत्रकार वार्ता में कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों के नाम पर कर्ज़ ले रही है, लेकिन उन्हें लंबित वित्तीय देनदारियों का भुगतान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि आखिर ये पैसा कहां जा रहा है इस बारे में राज्य सरकार को श्वेत पत्र जारी कर पैसों का हिसाब बताना चाहिए। प्रकाश बादल ने कहा कि मुख्यमंत्री कर्मचारियों को मिलने का समय नहीं दे रहे हैं और अब उन्हें मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। महासंघ के अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार नई भर्तियां नहीं कर रही है और सेवानिवृत लोगों को फिर से नौकरी दी जा रही है।

अमरनाथ यात्रा

जम्मू–कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा आज सम्पन्न हो गई। इस वर्ष देशभर से पांच लाख से अधिक लोगों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। 43 दिनों तक चलने वाली इस वर्ष की श्री अमरनाथ जी की तीर्थ यात्रा का आज श्रावण पूर्णिमा के शुभ अवसर पर औपचारिक समापन हो गया। इस वर्ष यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की तादाद कई वर्षों के बाद काफी ज्यादा दर्ज की गई।

.....

.....